• bordernewsmirror@gmail.com
• पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
• द्विभाषिक समाचार पत्र
BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 बिहार में दूसरे चरण में महिलाओं में उत्साह, 53.03 फीसदी वोटिंग
04 हथियार व गोली सहित अपराधी गिरफ्तार

बॉर्डर न्यूज मिरर
...खबरों से समझौता नहीं

• पटना, शनिवार, 27 अप्रैल 2024 | www.bordernewsmirror.com | • पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए • वर्ष: 05, अंक: 55

LAKSHYA RAJ KIDZEE
Lakshya Raj Public School
Mission Chowk, Pataura (Infornt of Durga Mandir) Motihari Mob.- 9128562441

मोदी का विपक्ष पर करार प्रहार

बिहार में अब जंगलराज लौटकर नहीं आएगा

बीएनएम संवाददाता

अररिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को EVM-VVPAT पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद विपक्ष पर करार प्रहार किया है. पीएम मोदी ने कहा, आज सुप्रीम कोर्ट ने साफ-साफ कह दिया है कि बैलेट पेपर वाला दौर वापस लौटकर नहीं आएगा. उन्होंने आरजेडी और कांग्रेस पर सीधे हमला बोला और कहा, आज मतपेटियां लूटने वालों को करारा जवाब मिला है।

पीएम मोदी का कहना था कि आज जब पूरी दुनिया भारत के सिस्टम की वाहवाह करती है तब ये लोग अब निजी स्वार्थ से बदनीयत से ईवीएम को बदनाम करने में लगे हैं. पीएम शुक्रवार को बिहार के अररिया में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

'EVM के नाम पर जनता में भ्रम पैदा किया'

पीएम मोदी ने कहा, आज का दिन लोकतंत्र के लिए खुशी का दिन है. पहले यहां RJD और कांग्रेस के शासन में बैलट पेपर के नाम पर लोगों का हक लूटा जाता था. इनकी सरकार में चुनाव में वोट लूट लिए जाते हैं. इसलिए ये EVM हटाना चाहते हैं. INDI गठबंधन के हर नेता ने EVM को लेकर जनता के मन में संदेह पैदा करने का पाप किया है. अभी 2 घंटे पहले लोगों को सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी लताड़ लगाई है. करारा तमाचा मारा है कि ये देख नहीं पा रहे हैं. विपक्ष को माफी मांगनी चाहिए।

पीएम का कहना था कि राजद, कांग्रेस को संविधान और देश की परवाह नहीं है. आज देश के लोकतंत्र और बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान की ताकत देखिए, आज सुप्रीम कोर्ट ने मतपेटियों को लूटने का इरादा रखने वालों को ऐसा गहरा झटका दिया है कि उनके सारे सपने चूर-चूर हो गए हैं. अररिया और सुपौल का ये स्नेह मेरे लिए बहुत बड़ी ऊर्जा है. बहुत बड़ी शक्ति है. मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपके इस कर्ज को उतारने के लिए मैं और ज्यादा मेहनत करूंगा और तीसरे कार्यकाल में आपके हित में, देश के हित में और ज्यादा बड़े फैसले देश लेने वाला है।

पीएम मोदी का कहना था कि आज जब पूरी दुनिया भारत के लोकतंत्र की, भारत की चुनाव प्रक्रिया की, चुनाव में टेक्नोलॉजी के उपयोग की वाहवाही करती है, तब ये लोग अपने निजी स्वार्थ के लिए EVM को बदनाम करने पर लगे पड़े थे. इन्होंने लोकतंत्र के साथ लगातार विश्वासघात करने की कोशिश की है. उन्होंने कहा, चुनाव के दौरान आपस में चाहे कितनी ही तू-तू मैं-मैं हो, पर जहां पर भी चुनाव हो रहा है वहां के इलाके के लोग घर-घर से निकलकर वोट डालें।

मोदी घबरा गये हैं, उनकी आंखों से जल्द ही निकलेंगे आंसू: राहुल

विजयपुरा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में मौजूदा लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संभावनाओं को लेकर घबराहट के लक्षण नजर आ रहे हैं।

श्री गांधी ने श्री मोदी पर जनता का ध्यान असली मुद्दों से भटकाने का आरोप लगाते हुए कहा, "आप मोदी का भाषण सुनें। वह घबराये हुए हैं। कुछ ही दिनों में उनकी आंखों से आंसू निकलने की संभावना है।"

कांग्रेस नेता ने भाजपा सरकार के तहत धन के वितरण में कथित असमानता पर प्रकाश डालते हुए अपनी पार्टी के सत्ता में आने पर लाखों नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का वादा किया। उन्होंने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "भाजपा सरकार ने जहां कुछ लोगों को अरबपति बनाया, वहीं कांग्रेस करोड़ों लोगों को लखपति बनायेगी। श्री गांधी ने गरीबी, मुद्रास्फीति और बेरोजगारी जैसे गंभीर मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए श्री मोदी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इन महत्वपूर्ण मामलों पर चुप हैं और केवल चीन और पाकिस्तान जैसे मुद्दों तथा दर्शकों से तालियां बजाने या मोबाइल फोन की रोशनी दिखाने का अनुरोध करने जैसे प्रतीकात्मक संकेतों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "वह चीन और पाकिस्तान के बारे में बात करेंगे और आपसे ताली बजाने या मोबाइल लाइट जलाने के लिए कहेंगे, लेकिन गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी के बारे में बात नहीं करेंगे। केवल कांग्रेस ही इन मुद्दों का समाधान कर सकती है। इसके अलावा, श्री गांधी ने श्री मोदी पर पिछले एक दशक में कुछ चुनिंदा लोगों को समृद्ध बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में 20-25 लोग अरबपति बन गये हैं। उन्होंने दावा किया कि महत्वपूर्ण अवनिर्माण रियोजनाएं गौतम अडानी जैसे व्यक्तियों को सौंप दी गयीं, जिससे उन्हें काफी फायदा हुआ।

श्री गांधी ने भारतीय संविधान और लोकतांत्रिक सिद्धांतों की रक्षा के लिए कांग्रेस पार्टी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव में विजयी होने पर संविधान को बदलने का इरादा रखती है।

प. बंगाल | छापेमारी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट 29 अप्रैल को करेगा सुनवाई

संदेशखालि में छापे के दौरान सीबीआई ने विदेशी तमंचे सहित छोटे हथियार जब्त किए

नयी दिल्ली/कोलकाता। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के संदेशखालि में अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी के दौरान विदेश निर्मित तमंचों सहित कई हथियार और गोला बारूद बरामद किये।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस के नेता रहे शाहजहां शेख के समर्थकों द्वारा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पर हमला किए जाने की घटना के सिलसिले में यह छापेमारी की गयी है. ममता सरकार ने हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें सीबीआई को छापेमारी की इजाजत दी गई है. सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीआर गवाई की बेंच इस याचिका पर 29 अप्रैल को सुनावई करेगी। संदेशखाली बशीरहाट लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है और यहां 1 जून को लोकसभा चुनाव होना है. इस सीट से बीजेपी ने संदेशखाली की पीड़िता रेखा पात्र को उम्मीदवार बनाया है. वह संदेशखाली कांड के मास्टरमाइंड व निलंबित तृणमूल नेता शाहजहां शेख और उसके गुर्गों की पीड़िता हैं. तीनों आरोपित शाहजहां शेख, शिबू हाजरा और उत्तम सरदार सलाखों के पीछे हैं।

दरअसल, केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ सीबीआई अधिकारी, संदेशखाली ब्लॉक के सरबेरिया इलाके में तलाशी अभियान शुरू करने के लिए पहुंचे. सीबीआई को पुख्ता जानकारी मिली थी. इसके आधार पर अधिकारियों ने बताए गए घर पर छापेमारी की. इस घर के मालिक की पहचान स्थानीय टीएमसी पंचायत सदस्य हफीजुल खान के एक रिश्तेदार के रूप में की गई।

सूत्रों के मुताबिक, घर के भीतर कई बम रखे हुए थे. सीबीआई ने ऑपरेशन को सुविधाजनक बनाने के लिए एक बम-स्कैनिंग उपकरण भी लगाया था. इस मिशन में केंद्रीय सुरक्षा बलों ने 10 सदस्यीय सीबीआई टीम की मदद की।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200450565, 9113374254

बिहार में दूसरे चरण में महिलाओं में उत्साह, 53.03 फीसदी वोटिंग

सबसे अधिक किशनगंज में मतदान

पटना। बिहार में लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में पांच संसदीय क्षेत्र में 93.96 लाख से ज्यादा मतदाता आज अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं. चुनाव को लेकर सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए गए हैं. राज्य निर्वाचन विभाग के मुताबिक आज किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, भागलपुर और बांका में मतदान हो रहा है. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एचआर. श्रीनिवास ने बताया कि पांच लोकसभा क्षेत्रों के मतदाताओं के लिए 9,322 मतदान केंद्र बनाए गए थे पांच लोकसभा क्षेत्रों में कुल 50 प्रत्याशियों का भाग्य का फैसला 93.96 लाख से ज्यादा मतदाता करेंगे सबसे ज्यादा 12-12 प्रत्याशी भागलपुर और किशनगंज में हैं जबकि, बांका में 10, कटिहार में 9 और पूर्णिया में 7 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं. इन सभी 5 सीटों पर एनडीए की ओर से जदयू के प्रत्याशी चुनावी मैदान में ताल ठोक रहे हैं. जबकि, महागठबंधन की ओर से कांग्रेस तीन तथा दो सीटों पर राजद ने प्रत्याशी उतारे हैं. पूर्णिया से निर्दलीय पप्पू यादव चुनावी मैदान में हैं. जबकि, किशनगंज से एआईएमआईएम के अख्तरूल ईमान भी चुनावी मैदान में प्रत्याशियों को टक्कर दे रहे हैं. मतदान को लेकर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं. स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराने के लिए नेपाल से लगी सीमाओं को सील कर दिया गया है 55 हजार से अधिक सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है. सुरक्षा को लेकर घुड़सवार दस्ता और नदियों में नाव से भी निगरानी की व्यवस्था की गई है।

डमी ईवीएम के साथ पकड़ाए

पूर्णिया। सहायक खजांची के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल के द्वारा रजनी चौक पर वाहन चेकिंग के दौरान एक महिंद्रा जीप (थार) में बैठे चार व्यक्तियों के पास से तीन डमी ईवीएम बरामद किया । जिसमे से तीन बाहरी जिला गोपालगंज से चुनाव प्रचार-प्रसार के लिए आए हुए थे। डमी ईवीएम के साथ गिरफ्तार व्यक्ति का नाम शमशुल हक अजाद पिता शोएब रहमान सा सरैया थाना गोपालगंज, विजय प्रताप सिंह पिता स्व नंदकिशोर सिंह सा. रूपनछाप थाना बरौली, रूकसार अहमद पिता मो हफीज सा. बगहा थाना थावे। अरविन्द साह पिता रामदेव साह सा शिवपुरी भट्ठा बाजार थाना सहायक खजांची जिला पूर्णिया के विरुद्ध चुनाव उल्लंघन करने के आरोप में गिरफ्तार कर पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

बिहार के सिवान में बस ने बाइक को रौंदा, मां-बेटों की मौत

पटना। बिहार में सिवान जिले के सिसवन थाना क्षेत्र अन्तर्गत सिसवन-सिवान मुख्य मार्ग पर शुक्रवार को हरे राम ब्रह्मचारी उच्च विद्यालय के समीप बस ने बाइक को रौंद दिया, जिससे बाइक सवार एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान भागर निवासी जयराम राम की पत्नी चिंता देवी (42), पुत्र कुंदन कुमार (18) तथा प्रिंस कुमार (08) के रूप में हुई है।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर सिवान अस्पताल भेज दिया। पुलिस के मुताबिक भागर निवासी जयराम राम की पत्नी चिंता देवी सारण के एकमा थाना क्षेत्र के ढेकुली स्थित रिश्तेदार के यहां से आज सुबह पुत्र कुंदन कुमार एवं प्रिंस कुमार के साथ बाइक पर सवार होकर घर लौट रही थी। इस बाच सिसवन-सिवान मुख्य पथ पर हरेराम ब्रह्मचारी उच्च विद्यालय के समीप सामने से आ रही बस ने उनकी बाइक को रौंद दिया।

इस दुर्घटना में चिंता देवी एवं पुत्र कुंदन कुमार की घटनास्थल पर मौत हो गई जबकि प्रिंस कुमार घायल हो गया। घटना के बाद बस चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद काफी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना थाने को दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घायल प्रिंस को रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में उसकी स्थिति गंभीर देख प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।

फर्जी प्रमाणपत्र पर नौकरी कर रही जिला महिला समादेष्टा पद से हटाने का आदेश

बीएनएम@सहरसा

जिला लोक शिकायत निवारण प्राधिकारी द्वारा परिवादी राम प्रसाद यादव परिवाद का विषय जिला समादेष्टा रक्षक वाहिनी द्वारा आवेदक मोसमात अनीता देवी पिता शिव शर्मा नरैया पंचगछिया सत्तर कटैया को फर्जी प्रमाण पत्र रखने के कारण पद से शीघ्र हटाए जाने का निर्णय दिया है।

जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा इस संबंध में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना के द्वारा अनीता देवी का फर्जी प्रमाण पत्र रखने का पत्र निर्गत किया गया है। वही परिवाद के आलोक में लोक प्राधिकार वरीय जिला समादेष्टा बिहार गृह रक्षा वाहिनी को नोटिस निर्गत किया गया। उक्त सूचना के आलोक में लोक प्राधिकार ने कार्यालय आदेश ज्ञापक 567 दिनांक 24 अप्रैल के द्वारा सूचित किया गया कि सहरसा जिला इकाई के गृह रक्षिका संख्या 33265 अनीता देवी को जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी महिषी के आलोक में फर्जी शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के आरोप में तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए कर्तव्य से वंचित किया जाता है।परिवादी के परिवार एवं लोक प्राधिकार की प्रतिवेदन का अवलोकन कर यह निर्णय दिया गया।

लोक प्राधिकार की प्रतिवेदन से सहमत हुए परिवादी के परिवार को निष्पादित किया गया। जिसकी प्रति परिवादी एवं वरीय जिला समादेष्टा बिहार की रक्षा वाहिनी को उपलब्ध कराया गया है। वही सहरसा जिला इकाई के गृह रक्षक अनीता देवी को जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी महिषी के ज्ञापन के आलोक में फर्जी शैक्षणिक योग्यता प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने के आरोप में तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए कर्तव्य से वंचित किए जाने का आदेश दिया गया है।

ज्ञात हो कि इस संबंध में फर्जी दस्तावेज फर्जी शैक्षणिक प्रमाण पत्र जारी करने की आरोप में प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा मध्य विद्यालय धनोज धरमपुर के प्रधानाध्यापक शिव शंकर चौधरी के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। उक्त पत्र में श्री चौधरी पर आरोप अंकित किया गया है कि छात्र अनिता कुमारी का प्रथम वर्ग में प्रवेश तिथि 1 मई 1996 अंकित है।वही आठवां का विद्यालय परित्याग प्रतिज्ञा कि तिथि 31दिसम्बर 99 अंकित है। इस संबंध में प्रधानाध्यापक के द्वारा ससमय प्राथमिक की दर्ज नहीं कराई गई। अर्थात विद्यालय में रक्षित अभिलेख से जानबूझकर छेड़छाड़ कर गायब कर दिया गया।

बयान जब तक मोदी है, SC/ST/OBC का हक छीन नहीं सकता

अररिया व मुंगेर की जनसभा में गरजे पीएम नरेंद्र मोदी

बीएनएम@मुंगेर

लोकसभा के चुनावी दौरा में शुक्रवार को चौथी बार बिहार आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अररिया लोकसभा और मुंगेर लोकसभा की जनसभा को संबोधित किया . अररिया का चुनाव 7 मई को है और मुंगेर लोकसभा का चुनाव 13 मई को एनडीए के रणनीतिकारों की जिन्होंने बड़ी सोच समक्ष कर अररिया और मुंगेर में मोदी की सभा आयोजित की कहा जाता है कहीं पर निगाहें कहीं पर निशाना. दरअसल, आज जब मोदी हुंकार भरे तो लाइट माइंडेड वोटर किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया और भागलपुर में प्रभावित हो रहे होंगे।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि मुंगेर की ये धरती... स्वाभिमान की धरती है, विरासत की धरती है। इस क्षेत्र ने भारत की समृद्धि का वो दौर देखा है, जिसकी कल्पना तक मुश्किल हो जाती है। आज NDA सरकार, भारत की वही समृद्धि लौटाने का प्रयास कर रही है और इस समय दुनिया भी जानती है कि ये समय भारत का समय है। दुनिया को भी लगता है कि जितनी मजबूत सरकार भारत के लोग बनाएंगे, दुनिया को भी उतनी ही मजबूती मिलेगी. उन्होंने कहा कि 10 साल में भारत की साख बढ़ी है, आज दुनिया में भारत का डंका बज रहा है. आज दुनिया के हर देश में भारत के लोगों का गौरव बढ़ रहा है, भारत का सम्मान बढ़ रहा है।

लालू यादव और उनकी पहले की सरकार पर हमला करते हुए मोदी ने कहा कि लालटेन वाले अंधकार युग में जो जंगलराज चलता था, उसे मुंगेर ने सबसे अधिक सहा है। पहले हर कोई यहां से पलायन के बारे में सोचता था, लेकिन JDU और BJP के नेतृत्व में NDA सरकार ने लालटेन के उस अंधकार युग से बिहार को बाहर निकाला है. अब जब भारत तेजी से विकसित हो रहा है, तो बिहार के तेज विकास का यही समय है. आज बिहार में लड़ाई NDA के संतुष्टिकरण मॉडल और इंडी गठबंधन के तुष्टिकरण मॉडल के बीच है।

राहुल पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शहजादे ने कहा है, देशभर में हर परिवार की कमाई का, प्रॉपर्टी का सर्वे करेंगे. भ्रष्टाचार करके लोगों को तबाह करने वाली कांग्रेस की बुरी नजर अब आपकी संपत्ति पर पड़ गई है. कांग्रेस आपकी संपत्ति का सर्वे कराकर आप पर विरासत टैक्स लगाएगी. यानी अब आप अपनी संपत्ति अपने बच्चों को नहीं दे पाएंगे. कांग्रेस सत्ता में आई तो वह आपकी संपत्ति का आधे से अधिक हड़प लेगी. विरासत टैक्स लगाकर आपसे लूटी गई संपत्ति को कांग्रेस अपने खास वोट बैंक को बांट देगी। आज पूरा देश, नौजवान, बुजुर्ग मां-बाप चिंतित हैं। इसलिए एक स्वर से पूरा देश कह रहा है- कांग्रेस की लूट, जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी।

मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन की दूसरी योजना तो और भी खतरनाक है और भारत के संविधान की भावना के विरुद्ध है. वह (कांग्रेस) धर्म के आधार पर आरक्षण लाना चाहते हैं. कांग्रेस ने कर्नाटक में एक मॉडल बनाया है। उन्होंने कर्नाटक में मुस्लिम समुदाय के लोगों को ओबीसी वर्ग में शामिल कर दिया। ओबीसी को संविधान ने जो 27% आरक्षण दिया है, उसमें से आरक्षण को काटकर मुस्लिमों को दे दिया. अब यही काम कांग्रेस पूरे देश में करना चाहती है।

कांग्रेस की लूट जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी: नरेन्द्र मोदी

फारबिसगंज/अररिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को फारबिसगंज में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस देश के संसाधनों पर यदि पहला हक किसी का है तो वह देश के गरीबों, मजदूरों, किसानों और माताओं-बहनों का। चाहे वह किसी भी जाति-धर्म का हो। यदि वह गरीब है तो देश के संसाधनों पर पहला हक उसका है। प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस ने देश के हिन्दुओं के साथ भेदभाव किया। कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मुस्लिम लीग की छाप है। यह लोग संविधान बदलना चाहते हैं। राजद और कांग्रेस का कहना है कि देश के संसाधनों पर पहला हक उनके वोट बैंक के खास लोगों का है। कांग्रेस आपके मंगलसूत्र का एक्स-रे और गहने का हिसाब-किताब करने की बात करती है।

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

नियमित टीकाकरण सुदृढ करने को लेकर जिलास्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

टीकाकरण के शत-प्रतिशत लक्ष्य को करें हासिल" डीआईओ" डॉ शर्मा

बच्चों के टीकाकरण के लिए 100% ट्रेकिंग आवश्यक है

मोतिहारी। नियमित टीकाकरण के लक्ष्य प्राप्त करने को लेकर स्वास्थ्य विभाग काफ़ी गंभीर है, नियमित रूप से दिए जाने वाले टीके के स्तर को बढ़ाने व सुदृढ़ीकरण को लेकर मोतिहारी के एक निजी सभागार में जिलास्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिंह, एसीएमओ डॉ श्रवण कुमार पासवान, डीआईओ डॉ शरत चंद्र शर्मा,डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ मनोज तुमराडा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।मौके पर सिविल सर्जन डा विनोद कुमार सिंह ने बताया कि प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों के द्वारा टीकाकरण का गंभीरतापूर्वक विश्लेषण आवश्यक है, वे हर कार्यों की उपलब्धी के लिए जिम्मेवार पदाधिकारी हैं, प्रशिक्षण के बाद प्रभारी अपने पीएचसी टीम के साथ बेहतर प्रयास करें, एसीएमओ डा श्रवण पासवान ने बताया कि कमजोर उपकेन्द्र की ग्रेडिंग कर वहाँ विशेष अभियान की व्यवस्था करें।

बच्चों के टीकाकरण के लिए 100% ट्रेकिंग आवश्यक है

डा शरतचंद्र शर्मा ने कहा कि सरकार के पास बच्चों के टीकाकरण के लिए सारी सुविधाएं मौजूद है, बच्चों के टीकाकरण के लिए 100% ट्रेकिंग आवश्यक है, उन्होंने माइक्रोप्लान का विश्लेषण कर इसे बेहतर बनाने का सुझाव दिया।कार्यक्रम आयोजक डब्ल्यूएचओ टीम के जिला सर्विलेंस अधिकारी डा मनोज तुमराडा ने प्रशिक्षण में टीके के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि जिले में अभी काफी बच्चे छुटे हुए हैं, यह वे बच्चे हैं जिनके टीकाकरण में डेढ माह या 6 सप्ताह पर पेन्टा प्रथम के साथ अन्य टीके दिया जाना है, पेन्टा टीका एक वर्ष के भीतर हीं दिया जाता है, मगर काफी बच्चे टीके की इस सुविधा से वंचित है. जिला कार्यशाला में प्रखण्ड के अस्पताल प्रभारी, बीसीएम, नोडल मेडिकल आफिसर साथ-साथ पार्टनर एजेंसी के लोगों की क्षमता का संवर्धन किया जा रहा है ताकि जीरो डोज की समस्या न रहे और उम्र के अनुसार बच्चे को टीके दिए जा सके। डॉ तुमराडा ने बताया कि क्षमता संवर्धित होनेवाले अस्पताल अधिकारी प्रखण्ड में आयोजित होनेवाले कार्यशाला मे चिकित्सक, एएनएम का संवर्धन किया जायेगा ताकि सभी बच्चे उम्र के अनुसार टीके ले सकें. आज अरेराज, आदापुर, रक्सौल, बनकटवा, घोडासहन। हरसिद्धि, छौडादानो, केसरिया, चकिया, कोटवा, कल्याणपुर, पहाडपुर तथा ढाका का कार्यशाला सम्पन्न हुआ है जबकि कल 25/4/24 को पकडीदयाल, मेहसी, पताही, बंजरिया, फैनहारा, मोतिहारी सदर, पिपरा कोठी , रामगढवा, संग्रामपुर, तुरकौलिया, सुगौली, चिरैया, तेतरिया तथा मधुबन का होगा।

मौके पर सिविल सर्जन डॉ विनोद कुमार सिंह, एसीएमओ डॉ श्रवण कुमार पासवान, डीआईओ डॉ शरत चंद्र शर्मा,डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ मनोज तुमराडा, अरुण कुमार दुबे, डॉ सुनील कुमार, डॉ आलोक कुमार, डॉ शीतल नुरूला, डॉ शिवम सिन्हा व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थें।

शराब की अलग अलग कार्यवाही में एक कारोबारी गिरफ्तार और एक फरार

बेतिया। इनरवा थाना क्षेत्र से शराब की अलग-अलग कार्यवाही में एक तस्कर फरार और एक गिरफ्तार किया गया. थानाध्यक्ष बसंत कुमार ने बताया की इंडो-नेपाल बॉडर पर इनरवा पंचायत भवन के पास गश्ती के दौरान देखा गया की एक व्यक्ति नेपाल से बोरा में संदिग्ध सामान लेकर आ रहा था. जैसे ही पुलिस को देख बोरा फेक नेपाल में प्रवेश कर गया. बोरा खोल कर देखा गया तो 73 बोतल नेपाली शराब बरामद की गई. वही गुरुवार की रात गश्ती के दौरान देखा गया की बिना नंबर प्लेट के मोटरसाइकल आ रहा था उसे रोक कर तलाशी ली गई. तलाशी के दौरान बाइक की डिक्की में छिपा कर रखे 5 लीटर चुलाई शराब बरामद किया गया। त्वरित शराब बाइक व कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया गया। कारोबारी भंगहा थाना क्षेत्र के बरवा-परसौनी निवासी सनोज पासवान को जेल भेज दिया गया।

10 हजारी कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

हत्या,लूट और आर्म्स एक्ट के मामले में तलाश रही थी पुलिस

बीएनएम@मोतिहारी

जिला पुलिस टीम ने टॉप 20 श्रेणी में शामिल 10 हजार का इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव को लेकर एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान के दौरान मिली गुप्त सूचना पर एएसपी सदर शिखर चौधरी के नेतृत्व में छतौनी थाना पुलिस ने छापेमारी कर हत्या एवं लूट कांड में वांछित 10 हजार रूपये का इनामी और जिले के टॉप-20 श्रेणी में शामिल कुख्यात अपराधी पश्चिम चंपारण के रामनगर थाना क्षेत्र निवासी लारेब खान उर्फ समीर खान को खोदानगर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है।

बताया गया है कि लारेब खान कुछ दिनों से मोतिहारी के खोदानगर मुहल्ले में छुप कर रह रहा था।इसके विरूद्ध छतौनी थाना में हत्या,लूट व आर्म्स एक्ट के दो मामले दर्ज है, जिसमे उसकी तलाश की जा रही थी।इस संदर्भ में छतौनी थाना द्वारा अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।छापेमारी टीम में एएसपी सदर शिखर चौधरी,छतौनी थानाध्यक्ष धनंजय कुमार,पीएसआई मुकेश कुमार व छतौनी थाना के सशस्त्र बल शामिल थे।

नीलगाय से टकरार बाइक सवार की मौत

बेतिया। मैनाटांड थाना क्षेत्र के पिपरपाती गांव में बाइक पर सवार पिता-पुत्र की दुर्घटना में पिता की मौत की खबर सुनकर कोहराम मच गया. गांव में सन्नाटा पसर गया. प्राप्त जानकारी के अनुसार पिपरपाती निवासी सुनील कुमार यादव और उनके 15 वर्षीय पुत्र अंकित उर्फ गोलू कुमार यादव गुरुवार की सुबह ट्रैक्टर पार्ट्स खरीदने मैनाटांड बजार जा रहे थे, उसी दौरान पिपरपाती और दिउलिया गांव के बीच सरेह में अचानक नीलगाय आ गई. नीलगाय से टकरार हो गई. टकरार के बाद बाइक पर सवार पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए. ग्रामीणों के सूचना के बाद आनन-फानन में मैनाटांड अस्पताल लाया गया जहां गंभीर स्थिति होने के कारण बेतिया रेफर कर दिया गया. पुत्र की स्थिति ने कुछ सुधार हुई, लेकिन पिता को बेतिया से रेफर कर दिया गया. परिजनों ने गोरखपुर भी इलाज कराया जहां डॉक्टर ने रेफर कर दिया. परिजनों ने सुनील को बेहतर इलाज के तैयारी को लेकर घर आये. मैनाटांड से नेपाल के बीरगंज ले जाने के क्रम रास्ते में ही शुक्रवार की सुबह सुनील यादव का मौत हो गई. ये देख परिजनों में चीख-चीत्कार मच गया. पिता के मौत के बाद रो रोकर बुरा हाल है. इधर बता दें कि मृतक का एक 16 वर्षीय पुत्र अंकित उर्फ गोलू कुमार, 17 वर्षीय पुत्री पूजा कुमारी व 2 वर्षीय पुत्री सलोनी है. जिसकी भरण-पोषण पर आफत आ गई है।

डिस्पैच सेंटर का डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण, दिये निर्देश

मोतिहारी। जिले में लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारी तेज कर दी गई है।इसी क्रम शुक्रवार को डीएस सौरभ जोरवाल व एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने संयुक्त रूप से जिले के चिरैया, ढाका, हरसिद्धि एवं गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र के लिए बनाए गए डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया।साथ ही वहां प्रतिनियुक्त सेक्टर पदाधिकारी व सेक्टर पुलिस पदाधिकारी के साथ की बैठक कर कई आवश्यक निर्देश दिये। उल्लेखनीय है कि जिले में लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने को लेकर विभिन्न विधानसभा क्षेत्र में डिस्पैच सेंटर बनाये गये है, जिसमें 21-ढाका विधानसभा क्षेत्र के लिए महादेव साह 2 उच्च विद्यालय, चिरैया व 13-हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र के लिए महंत शिव शंकर गिरी कॉलेज अरेराज में बनाए गए डिस्पैच सेंटर का निरीक्षण किया गया साथ ही चिरैया डिस्पैच सेंटर के सभागार में चिरैया व ढाका विधान सभा तथा अरेराज डिस्पैच सेंटर के सभागार में इस विद्यालय के सभागार में सभागार में हरसिद्धि एवं गोविंदगंज विधानसभा क्षेत्र के सेक्टर पदाधिकारी सेक्टर पुलिस पदाधिकारी के साथ बैठक कर तैयारियो की समीक्षा की गई।

बैठक में डीएम द्वारा सभी पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया जिसमें मुख्य रूप से ईवीएम कमिश्निंग,पोस्टल बैलेट से मतदान की प्रक्रिया एवं तिथि के बारे में बताया गया। सेक्टर पदाधिकारी को मतदान से पूर्व, मतदान के दिन एवं मतदान के पश्चात किए जाने वाले कार्य एवं बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। कहा गया कि सेक्टर पदाधिकारी को अपने क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहना होगा। साथ ही मतदान की तिथि से 5 दिन पूर्व से लेकर मतदान की समाप्ति तक सेक्टर पदाधिकारी द्वारा किए जाने वाले कार्यों को विस्तार से बताया गया और उसे ससमय पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।

एसपी ने पदाधिकारियों को संबोधित करते कहा कि सेक्टर पदाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी एक साथ सहयोगपूर्ण रवैया अपनाते हुए हर स्तर पर आपसी समन्वय से कार्य को पूर्ण करेंगे।उन्होने कहा कि कार्य के दौरान कहीं कोई शिथिलता नहीं आनी चाहिए।

भितिहरवा आश्रम ने खम्हिया को हरा कर कप पर किया कब्जा

बीएनएम@बेतिया

इनरवा समाजसेवी के द्वारा आयोजित इलेवन स्टार युवा क्रिकेट क्लब दस दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में खम्हिया बनाव भितिहरवा आश्रम से फाइनल मैच खेला गया. शुक्रवार को बतौर मुख्य अतिथि इनरवा पंचायत के पूर्व मुखिया अशोक कुशवाहा ने मैच का आनंद उठाया. उन्होंने क्रिकेट खिलाड़ियों का जज्बा बढ़ाते हुए कहा कि महानता वह नहीं होती कि आप गिर गए और उठे ही ना, महानता उसे कहते हैं जब आप गिरकर बार-बार उठते हैं. इधर समाजसेवी मनोज गिरी, आनंद मिश्र, बुनीलाल साह, क्रिकेट कार्यकर्ता किशोर कुमार आदि उपस्थित गणमान्य लोगों ने कहा कि टॉस जीत कर खम्हिया की टीम ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. भितिहरवा आश्रम ने पहले बलेबाजी कर 240/8 रन बनाया. वही खम्हिया की टीम ने 215/6 रन बनाया. भितिहरवा आश्रम की टीम ने 25 रन से जीत हासिल कर शील्ड पर कब्जा कर लिया। जीत के बाद मैन ऑफ द मैच रामबाबू कुमार को मेडल देकर सम्मानित किया गया।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी
डॉ. मीना
MBBS,DGO, DNB, (OBG), FMAS
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

हथियार व गोली सहित अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम@अरेराज

पहाड़पुर पुलिस को लोकसभा चुनाव के बीच बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अपराध की योजना बनाते एक अपराधियो को हथियार और गोली के साथ गिरफ्तार किया है। अरेराज डीएसपी के नेतृत्व में सर्किल इंस्पेक्टर व पहाड़पुर थाना अध्यक्ष ने यह कार्रवाई किया है। पुलिस ने पहाड़पुर थाना क्षेत्र से कार्रवाई किया है।

गिरफ्तार अपराधियों से पुलिस पूछताछ में जुटी है। अरेराज डीएसपी रंजन कुमार ने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर एसपी कांतेश कुमार मिश्र के निर्देश पर लगातार छापेमारी और सघन वाहन जांच किया जा रहा है। गुरुवार को संध्या गुप्त सूचना मिली कि एकडेरवा के पास किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने के लिए अपराधकर्मी इक्कठा हुए है। सूचना मिलते ही डीएसपी के नेतृत्व ने सर्किल इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार गुप्ता, पहाड़पुर थाना अध्यक्ष अंबेश कुमार द्वारा सूचना सत्यापन के उपरांत घेराबंदी कर छापेमारी किया। छापेमारी में एक अपराधियों को दो देशी कट्टा, एक एयरगन, एक खोका, और तिन जिंदा गोली के साथ गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार अपराधियों ने पुलिस पूछताछ में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार किया है। वही पुलिस पूछताछ में जुटी है।गिरफ्तार अपराधियों की पहचान हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मठलोहियार नुनीया टोली के मुनीलाल राम का पुत्र रूपेश राम उफ प्रिंस के रूप में किया गया है। पुलिस गिरफ्तार अपराधी से पूछताछ में जुटी है।

बेतिया में बोलेरो ने ट्रक में मारी ठोकर, तीन की घटनास्थल पर मौत

बीएनएम@बेतिया। बेतिया पुलिस जिला स्थित मझौलिया से बारातियों को वापस लेकर लौट रही बोलेरो ने आगे जा रही ट्रक में पीछे से ठोकर मार दी। इस घटना में बोलेरो में सवार 11 लोगों में से तीन की मौत घटना स्थल पर ही हो गयी है। जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में तीन की हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें पटना रेफर कर दिया है। वहीं ड्राइवर व एक अन्य बाराती इस घटना में बाल-बाल बच गए है। घटना रात 11 बजे बेतिया-नवलपुर पथ में बाबू टोला गुरवलिया चौक की है। मनुआपुल थानाध्यक्ष नरेश कुमार ने शुक्रवार को बताया कि गोलाघाट डुमरी निवासी दीनानाथ महतो के पुत्र की बारात गुरवार की संध्या मझौलिया के गढ़वा भोगाड़ी गयी थी। वहां से खाना खाकर गोलाघाट डुमरी निवासी उमा यादव के बोलेरो से चालक समेत 13 बाराती वापस लौट रहे थे। गाड़ी उमा यादव ही चला रहा था।

इंडो नेपाल सीमा पर एसएसबी और नेपाल एपीएफ कमांडेंट स्तरीय काउंटर पार्ट मीटिंग संपन्न

बगहा। इंडो नेपाल सीमा गंडक बराज बी समवाय परिसर में एसएसबी 21 वीं वाहिनी तथा नेपाल के एपीएफ के बीच कमांडेंट स्तरीय काउंटर पार्ट मीटिंग कई मुद्दों पर सहमति के साथ संपन्न हो गई।बतादें की दोनों देशों के 21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल एवं नवलपरासी व चितवन के बीच कमांडेंट स्तरीय बैठक सीमा चौकी गंडक बैराज कैंप में हुई। जिसकी अध्यक्षता एसएसबी 21वी वाहिनी के कमांडेंट श्री प्रकाश ने किया। बैठक में कहा गया है कि भारत नेपाल में मैत्री संबंध बना रहेगा। साथ में दोनों देशों के अधिकारी मिलकर तस्करी,मानव तस्करी,शराब तस्करी,मानव व्यापार,सुरक्षा, नक्सल विरोधी,नारकोटिक्स वन उत्पाद,वन जीव उत्पाद और अन्य निषिद्ध वस्तुओं की तस्करी से संबंधित जानकारी साझा करने के लिए तथा

इसे रोकने के लिए दोनों देशों के तरफ से प्रयास होते रहनी चाहिए। सीमा पर अपराधियों को रोकने के लिए सूचना साझा कर आदान प्रदान करें। अगर कोई भी संदेह के घेरे में आ रहा है। तो उसे तुरंत पकड़ कर पूछताछ किया जाए। ताकि वैसे अपराधियों पर नकेल कसा जा सके। बतातें चलें कि इसके अलावा लोक सभा चुनाव 2024 के मद्देनजर रखते हुए नेपाल की तरफ से भारत की ओर किसी भी प्रकार का अवैध शराब तस्करी को रोकने हेतु जरूरी ठोस कदम उठाए जाने पर गहन चर्चा हुई। इस बैठक के दौरान नेपाल व भारत के बिच मैत्री खेल का आयोजन को लेकर चर्चा किया गया। बैठक में आगे कहा गया कि वैसे लोगों पर भी नजर रखना है, जो अपराधी प्रवृत्ति के हैं। बैठक में नकेल कसने के लिए कई रणनीति बनाई गई है। इस बैठक में दोनों देशों के अधिकारी आपसी सहयोग साथ आपसी तालमेल बनाए रखेंगे। भारत-नेपाल के बीच सदियों से पुरानी संस्कृति साझेदारी है। हमें इसे वर्तमान में और अधिक मजबूत एवं प्रगाढ़ बनाने की आवश्यकता है। इस अवसर पर एसएसबी की ओर से श्रीप्रकाश कमांडेंट 21वीं वाहिनी बगहा, नन्द सिंह मेहरा,कमांडेंट 65वीं वाहिनी, बलवंत सिंह नेगी कमांडेंट 44वीं वाहिनी नरकटियागंज,सहायक कमांडेंट मोहित सिंह रबीरसमवाय गंडक बैराज के साथ अन्य सीमा चौकी प्रभारी । वहीं,

एपीएफ नेपाल से राजेश खड़ेल (एसपी) 17वीं वाहिनी एपीएफ नेपाल, प्रकाश वाग्ले (एसपी) 26वीं वाहिनी, सूरज क्षेत्री डी एस पी 31वीं वाहिनी समवाय नेपाल एवं अन्य अधिकारी गण मौजूद थे।इस अवसर पर दोनो देशों के सुरक्षाकर्मियों के बीच मैत्री बॉलीबॉल मैच का भी आयोजन किया गया।

जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर मलेरिया के प्रति लोगों को किया जा रहा है जागरूक

मादा एनोफिलिज मच्छर के काटने से होता है मलेरिया

सभी पीएचसी में मलेरिया की जांच व इलाज की सुविधाएं उपलब्ध है

बीएनएम@मोतिहारी

मलेरिया के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से हर वर्ष 25 अप्रैल को विश्व मलेरिया दिवस मनाया जाता है। यह कहना है जिले के डीबीडीसीओ डॉ शरत चंद्र शर्मा का उन्होंने बताया कि मलेरिया भी एक जानलेवा बीमारी है जिससे भारत में हर साल हजारों लोग संक्रमित होते हैं। मलेरिया मादा एनोफिलिज मच्छर के काटने से फैलता है। मलेरिया से संक्रमित व्यक्ति को मच्छर के काटने के 6 से 8 दिन के बाद लक्षण दिखाई देते हैं। इसमें तेज बुखार, थकान, सिर दर्द,

पेट में दर्द, चक्कर आना, बेहोशी आना, एनीमिया, मांसपेशियों के दर्द, उल्टियां होने जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।उन्होंने बताया कि जिले के सभी पीएचसी में मलेरिया की जांच व इलाज की सुविधाएं उपलब्ध है। इससे घबराने की जरूरत नहीं है।

विश्व मलेरिया दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

जिले के मलेरिया ऑफिस समेत, तुर्कौलिया, अरेराज,पिपराकोठी, ढाका, चकिया, मधुबन समेत कई पीएचसी में बैनर, पोस्टर लगाकर लोगों को जागरूक करते हुए विश्व मलेरिया दिवस आयोजित किया गया। जिसमें स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा आमजनों तक मलेरिया के लक्षण व कारणों की जानकारी दी गई।मोतिहारी मलेरिया ऑफिस में भीडिसीओ धर्मेंद्र कुमार, सत्यनारायण उरांव एवं पिरामल के डीएल मुकेश कुमार ने बताया कि रात्रि में सोते समय मछड़दानी का प्रयोग कर,अपने घरों के आसपास साफ सफाई रख,सावधानियों को बरत कर हम सभी लोग मलेरिया से बच सकते हैं।

घरों के आसपास की गंदगी से फैलता है मलेरिया

जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ शर्मा ने बताया कि घरों, खुले स्थानों इत्यादि के आसपास गंदगी होने के कारण वहां मच्छर पनपते हैं। इसके बाद वह इंसानों को काटकर उन्हें मलेरिया से संक्रमित कर देते हैं। इसलिए मलेरिया से बचाव के लिए आवश्यक है कि अपने घर के पास साफ सफाई रखें व मच्छर पनपने वाले स्रोतों को नष्ट करें। मच्छरदानी और मच्छररोधी क्रीम का इस्तेमाल करें व पूरी बांह के कपड़े पहनें।मौके पर कई स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

Editorial

धूप से आँखों की दूरी भली

गर्मी के मौसम में घर से निकलते ही गर्म हवा और धूल-मिट्टी का चेहरे पर अटैक होने लगता है। इसका सीधा असर हमारी आंखों पर पड़ता है। इस मौसम में तेज धूप के कारण आंखों में जलन, ड्राइनेस, आंखों में खुजली और आंखों से पानी आने की समस्या बढ़ जाती है, जिसे आँखों का सनबर्न भी कहते हैं। सूरज की तेज रोशनी और अल्ट्रावायलेट किरणें आंखों के हर हिस्से को प्रभावित करती हैं। इनका दुष्प्रभाव आंखों से जुड़े रोगों का जोखिम भी बढ़ा देता है। इसीलिए आंखों को धूप से सुरक्षित रखना बेहद जरूरी है। चुभती और जलती गर्मी से बचने के लिए सूती कपड़े, कोल्ड ड्रिंक्स और ताजे फल-सब्जियों का इस्तेमाल तो करें ही, आंखों को चुभन और जलन से बचाने की भी कोशिश करें। घरेलू उपचार से यह आसान हो सकता है। आइए जानते हैं कि गर्मी में आंखों की देखभाल कैसे करें। गुलाब जल- आंखों को ठंडक पहुंचाने के लिए और आंखों की समस्याओं को दूर करने के लिए गुलाब जल का इस्तेमाल काफी लाभदायक माना जाता है। इसका इस्तेमाल करने के लिए गुलाब जल में कॉटन डूबो लें और इसे आंखों के आसपास लगाएं। चाहें तो एक या दो बूंद आंखों में भी डाल सकते हैं। इससे आंखों में होने वाली जलन और खुजली शांत हो सकती है। आप रुई के दो टुकड़े कर लें। अब इनमें गुलाब जल की कुछ बूंदें डालें और फिर बंद आंखों के ऊपर लगाएं। ऐसा करने से आंखों की जलन कम होने लगेगी और आपको तुरंत राहत मिलेगी। गुलाब जल आंखों को ठंडा रखता है। आंखों की थकान को दूर करने के लिए भी गुलाब जल काफी कारगर माना जाता है। गुलाब जल का इस्तेमाल आंखों को साफ रखने में किया जाता है। जिससे आंखों को ठंडक और राहत मिलती है। खीरा- गर्मियों के मौसम में आंखों के बचाव करने में खीरे का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद है। इसके लिए खीरा के पतले-पतले स्लाइस काट लें। अब इसे आंखों पर कुछ देर के लिए रख कर हटा लें। इससे आंखों के लाल होने की समस्या को कम कर सकते हैं। खीरे के टुकड़े काट कर अपनी आंखों पर 30 मिनट तक रखें। यह आंखों की जलन को दूर करके ठंडक पहुंचाने का काम करता है।

कांग्रेस के घोषणापत्र पर आक्रामक भाजपा

मृत्युंजय दीक्षित

लोकसभा चुनाव के दो चरणों का मतदान संपन्न हो चुका है। तीसरे चरण के लिए प्रचार अभियान जारी है। भाजपा रामलहर और मोदी के करिश्माई नेतृत्व के बल पर अबकी बार चार सौ पार के नारे के साथ आगे बढ़ रही है। भाजपा नेतृत्व अभी तक विपक्ष को परिवारवाद व उनके शासनकाल में किए गये अथाह भ्रष्टाचार और घोटालों की बात करके घेर रहा था। उसके मुस्लिम तुष्टिकरण पर सीधा प्रहार नहीं कर रहा था किन्तु कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र, राहुल गांधी व विपक्ष के नेताओं के कुछ आपत्तिजनक बयानों के बाद नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरी भाजपा अब कांग्रेस तथा विरोधी दलों के घोर मुस्लिम तुष्टिकरण को लेकर आक्रामक हो गयी है। मोदी ने कांग्रेस के समय में प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह के भाषण और कांग्रेस के घोषणापत्र में किए गए वादों पर चर्चा करते हुए स्वयं कांग्रेस के घोषणापत्र पर मोर्चा खोला। भारतीय जनता पार्टी के इतिहास में पहली बार विरोधी दल कांग्रेस के घोषणापत्र को आधार बनाकर उस पर तीखा हमला बोला गया है। स्वाभाविक रुप से कांग्रेस और उसके साथी तिलमिला गए हैं और वह मुख्यधारा तथा सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री मोदी पर अमर्यादित शब्दावली का प्रयोग कर रहे हैं। कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल प्रधानमंत्री मोदी की शिकायत लेकर चुनाव आयोग भी पहुंचा है। उधर भाजपा का प्रतिनिधिमंडल भी राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंच गया है। प्रधानमंत्री मोदी सहित भाजपा के सभी बड़े नेता कांग्रेस के मुस्लिम प्रेम पर एक के बाद एक तीखा प्रहार कर रहे हैं जिससे कांग्रेस तिलमिला गई है। प्रधानमंत्री मोदी एक के बाद एक कांग्रेस की सरकारों में हुए हिन्दू विरोधी घटनाओं, निर्णयों, विवादों को उठा रहे हैं । प्रधानमंत्री ने सबसे पहले राजस्थान की जनसभा में कहा कि, "कांग्रेस की नजर आम लोगों की मेहनत की कमाई पर है, प्रापर्टी पर है महिलाओं के मंगलसूत्र पर है। कांग्रेस ने इरादा जाहिर कर दिया है कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो लोगों के घरों, प्रापर्टी और गहनों का सर्वे कराएगी फिर लोगों की कमाई कांग्रेस के पंजे में होगी। कांग्रेस की नजर देश की महिलाओं के गहनों पर है, माताओं- बहनों के मंगलसूत्र पर है, वो उसे छीन लेना चाहती है। कांग्रेस के न्याय घोषणापत्र में उसके इरादे साफ जाहिर हो रहे हैं। अगर कांग्रेस की सरकार आई तो लोगो के बैंक एकाउंट में झांकेगी, लॉकर खंगालेगी, जमीन -जायदाद का पता लगायेगी और फिर सबकुछ छीनकर उसे घुसपैठियों और ज्यादा बच्चे वालों में बांट देगी। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि कांग्रेस यह संपत्ति उन लोगों को बांटेगी जिन्हें मनमोहन सरकार ने कहा था कि देश की संपत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। इस बयान से चुनाव के मैदान में तूफान आ गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस को धार्मिक आधार पर मुस्लिम आरक्षण को लेकर भी घेरा है। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से कांग्रेस ने आंध्र प्रदेश में 2004 से 2010 के बीच मुसलमानों को दलितों, पिछड़ों, अति पिछड़ों का हिस्सा काटकर उसमें से ही विशेष आरक्षण देने का भरसक प्रयास किया किंतु न्यायपालिका के हस्तक्षेप से कांग्रेस का यह विकृत पायलट प्रोजेक्ट लागू नहीं हो सका। जबकि अब यही कांग्रेस भारत का संविधान बदलकर दलित, पिछड़ों, अतिपिछड़ों के अधिकारों में कटौती करके मुस्लिम आरक्षण देने की बात कर रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने ही बयानों से फंस जाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी को फुल टॉस गेंद फेंक कर चुनाव के मैदान में चौके-छक्के लगाने का अवसर दे बैठते हैं।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

Today's Opinion

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अर्थव्यवस्था और रोजगार में वृद्धि, गरीबी में कमी

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के व्यापक परिदृश्य में भारत अपने तेज़ विकास और नई ऊंचाइयों को छूने के निरंतर संकल्प के लिए कार्यरत है। भारतीय संस्कृति की एक लंबी परंपरा है और 1.4 बिलियन से अधिक की आबादी के साथ, भारत एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में विकसित हो रहा है, जो लगातार दुनिया भर में अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहा है। भारत की अर्थव्यवस्था वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण है। इसमें एक विशाल, युवा आबादी के साथ-साथ एक खुली, लोकतांत्रिक राजनीतिक प्रणाली भी है। यह वर्तमान में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था (पीपीपी) है और वैश्विक आर्थिक विकास में एक प्रमुख योगदानकर्ता है, फिर भी अभी महत्वपूर्ण अप्रयुक्त क्षमता है। दुनिया की आबादी के छठे हिस्से से अधिक के साथ भारत वैश्विक उत्पादन का बमुश्किल 7 फीसदी हिस्सा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की उपलब्धियों का उसके वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक महत्व पर जबरदस्त प्रभाव पड़ेगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था के 2035 तक एशिया की ओर अधिक से अधिक झुकने की उम्मीद है, क्योंकि भारत, चीन और आसियान देश धीमी गति से बढ़ने वाली उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के साथ तालमेल बिठा लेंगे। 6 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर के साथ भी, भारत की अर्थव्यवस्था 2017 की तुलना में दोगुनी से अधिक बड़ी होगी। क्रय शक्ति समता के संदर्भ में, वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी 2016 में 7 प्रतिशत से बढ़कर लगभग 13 प्रतिशत होने की उम्मीद है, जो इसे संयुक्त राज्य अमेरिका के बराबर लाएगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की जीडीपी वृद्धि दर रुस, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जापान जैसे प्रमुख देशों से अधिक है। भारत एकमात्र एशियाई अर्थव्यवस्था है जिसने महामारी शुरु होने के बाद से अपने निवेश-से-जीडीपी अनुपात में वृद्धि की है। आयात पर इसकी निर्भरता भी कम हो गई है क्योंकि प्रेषण में वृद्धि हुई है और वैश्विक क्षमता केंद्र उभरे हैं, जो व्यापार प्रक्रिया आउटसोर्सिंग में भारत की पिछली सफलता पर आधारित है। 2022 से धन प्रेषण की मात्रा में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बंद अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के बजाय, जो कभी भारत को परिभाषित करती थी, आज अर्थव्यवस्था चीन की तुलना में अधिक खुली है और विकास के समान स्तर पर है। पिछले दशक में व्यापार भारत के सकल घरेलू उत्पाद का 50 प्रतिशत से अधिक रहा है, जो 1990 में 15 प्रतिशत से भी कम था। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष दोनों ने भारत के विश्व स्तरीय डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की प्रशंसा की, जिसने सरकार को सामाजिक कार्यक्रमों पर बेहतर ध्यान केंद्रित करने और कर अनुपालन बढ़ाने में मदद की है। विश्व बैंक अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा के अनुसार गरीबी को परिभाषित करता है, जो प्रति व्यक्ति प्रति दिन $2.15 पर अत्यधिक गरीबी, $3.65 पर निम्न-मध्यम आय और $6.85 पर उच्च-मध्यम आय निर्धारित करता है। विश्व बैंक के अनुमान के अनुसार, 2011 में भारत की गरीबी दर 22.53 प्रतिशत थी और भयानक महामारी के बाद भी यह काफी कम होकर 2021 में 11.9 प्रतिशत हो गई है। मानव विकास सूचकांक उन्नति के तुलनीय रुझान को दर्शाते हैं। पिछले दशक के दौरान फ्लशिंग शौचालय और खाना पकाने की गैस, शिशु मृत्यु दर और घरेलू बिजली तक पहुँच में काफी सुधार हुआ है। एक दशक पहले 40 फीसदी घरों में बिजली नहीं थी, आज, यह आंकड़ा 3 प्रतिशत से भी कम हो गया है। भारत में 111 यूनिकॉर्न हैं, जिनका संयुक्त मूल्यांकन 349.67 बिलियन डॉलर है। 2021 में, 45 यूनिकॉर्न का जन्म हुआ, जिनका कुल मूल्य 102.30 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जबकि 2022 में 29.20 बिलियन डॉलर के कुल मूल्यांकन के साथ 22 यूनिकॉर्न का जन्म हुआ। भारत वर्तमान में दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा यूनिकॉर्न बेस है। सरकार अक्षय ऊर्जा पर भी काम कर रही है, जिसका लक्ष्य 2030 तक गैर-जीवाश्म स्रोतों से अपनी ऊर्जा का 40% उत्पन्न करना है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

राजेन्द्र प्रसाद, मो. 9868141361

जिंदगी में सुख–दुःख की ढलान

वास्तव में सुख का अर्थ--जो मिल रहा है, उसका आनंद लेना और दुःख का अर्थ--मुझे और चाहिए। सुख प्राप्ति का यह मतलब नहीं कि आपको जो अच्छा लगे, आप वह कर सकें बल्कि यह है कि जो आप करें, वह अच्छा हो। सुख व्यक्ति के अहंकार की परीक्षा है जबकि दुःख व्यक्ति के धैर्य की परीक्षा है। दोनों परीक्षा में उत्तीर्ण व्यक्ति का जीवन ही सफल जीवन है। सुख के लिए संतोषी बनना ज्यादा श्रेयस्कर है क्योंकि संतोष सुख की जड़ है, असंतोष में तो दुःख पनपता है। सुख औरआनंद ऐसे इत्र हैं जिन्हें जितना दूसरों पर छिड़केंगे, उतनी ही सुगंध आपके भीतर आएगी।

सुखी होने के बहुत रास्ते हैं, पर औरों से ज्यादा सुखी होने के रास्ते नहीं हैं। दूसरे को दोषी बनाने का जो सुख समझते हैं, उसके लिए असली दुःख कहीं ज्यादा बड़ा है। सुख-दुःख की न तो कोई परिभाषा है और न ही कोई सीमा। सुखी होने के चक्कर में बहुत से लोग पूरी जिंदगी दुःखी रहते हैं। दुःख में स्वयं की एक अंगुली आंसू पोंछती है और सुख में दसों अंगुलियां बजती हैं। दुःख जीवन में इसलिए आते हैं ताकि हम सुख का महत्व समझ सकें। किसी को अपना दुःख दर्द देता है तो किसी को दूसरों का सुख दर्द देता है। अगर हम पेंसिल बनकर किसी का सुख नहीं लिख सकते तो अच्छी रबड़ बनकर किसी का दुःख कम तो कर सकते हैं। किसी को चाह कर भी दुःख नहीं देना चाहिए, क्योंकि कई बार किसी को दी गई चीख कई गुना होकर वापस लौटती है। इच्छाएं, सपने, उम्मीदें और नाखून--इन्हें समय-समय पर काटते रहें, अन्यथा ये दुःख और पश्चाताप का कारण बनते हैं।

इंसान दों अवस्थाओं में बेबस है--दुःख बेच नहीं सकता और सुख खरीद नहीं सकता। सुखी व्यक्ति वह है जो निरंतर स्वयं का मूल्यांकन एवं सुधार करता है, जबकि दुःखी व्यक्ति वह है जो दूसरों का मूल्यांकन करने में लगा रहता है। सचमुच कुदरत ने तो आनंद दिया था, दुःख तो हमारी खोज है। कहते हैं कि दुःख बांटने से कम होता है, पर बहुत बार इंसान अपनों को दुःख इसलिए नहीं बताता कि कोई दुःखी न हो जाए या उन्हें बताने लायक नहीं समझता। किसी ने कहा है कि मनुष्य अपनी इच्छाएं त्यागकर अर्थवान हो जाता है और लालच तजकर मनुष्य सुखी हो जाता है।

किसी ने खूब कहा है कि किसी के सुख का कारण बनो,भागीदार नहीं और दुःख में भागीदार बनो, कारण नहीं। किसी को दुःख देने से पहले यह सोच लेना कि उसके आंसू कहीं आपके लिए सजा न बनजाएं। देखने में आया है कि दूसरों का भला करने वाले को ज्यादा कष्ट और तकलीफें उसी तरह झेलनी पड़ती जैसे फल देने वाले पेड़ को सबसे ज्यादा पत्थर झेलने पड़ते हैं। जिसे जीना आता है,वह बिना किसी सुविधा के भी खुश मिलेगा और जिसे जीना नहीं आता,वह सुविधाओं के होते हुए भी दुःखी मिलेगा।

यकीनन हम खुशी के लिए सोचेंगे तो खुश रहेंगे और दुःख के विषय में सोचेंगे तो दुःखी रहेंगे। सुखी रखना बेशक हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन किसी को दुःख न देना जरूर हमारे हाथ में है। सुख-दुःख मेहमान हैं,बारी-बारी आएंगे, कुछ दिन ठहर कर चले जाएंगे। दुःख को सुख में बदलते रहिए, धीरे-धीरे ही सही, पर चलते रहिए। दुःख हमारी सोच में ज्यादा बसता है। अतः सोच बदलिए, दुःख अगर किसी कारण खत्म नहीं तो कम जरूर हो जाएंगे। दुःख जीवन में इसलिए आते हैं ताकि हम सुख का महत्व समझ सकें। अगर वो नहीं आएंगे तो अनुभव कहां से लाएंगे? अगर दुःखी रहने में आनंद लेना हो तो दूसरों में कमी खोजो और सुखी रहना हो तो गुण खोजो।

जीवन में जब हम खराब दौर से गुजरते हैं, तब मन में यह विचार जरूर आता है कि परमात्मा मेरी परेशानी देखता क्यों नहीं, मेरे दुःख कम क्यों नहीं करता। पर याद रखना, जब परीक्षा चल रही होती है, तब शिक्षक मौन रहते हैं।

दुःखी सब हैं संसार में, कौन है जो पूर्णतः सुखी है? कटु सत्य है कि किसी को अपना दुःख दर्द देता है तो किसी को दूसरों का सुख दर्द देता है। अपने को खुश रखोगे तो दूसरे तुमसे खुश रहेंगे। खिन्न रहने वाले किसी की खुशी हासिल नहीं कर सकते। जिसे मन स्वीकारे, वह सुख और जिसे अस्वीकारे, वह दुःख।

हमें परमपिता परमेश्वर की व्यवस्था पर अटूट विश्वास रखना चाहिए। क्योंकि वही सृष्टि के निर्माता, पालनहार और संहारक हैं। वही मनुष्य के कर्मों का हिसाब रखते हैं और वही हमारे दुखों का अंत भी करते हैं। विपदा में लोग भगवान को याद करते हैं, लेकिन बुरी घड़ी टल जाती है तो फिर उसे भूल जाते हैं। यदि मनुष्य सुख के समय भी भगवान को न भूले, उनका सुमिरन करता रहे तो भला दुःख आएगा ही क्यों?

जीवन में दो बातें ध्यान रखने लायक हैं। एक तो यह कि प्रभु जो सुख-दुःख देते हैं, उसमें इस जन्म या पूर्व जन्म में किए गए कर्म का फलादेश जुड़ा होता है। यानी बुरे कर्म का बुरा फल, अच्छे का अच्छा फल। दूसरा, जीवन रूपी सड़क पर लंबा सफर करते हैं तो चढ़ाई आने के बाद दुःख और समतल में सुख आता रहता है। कई बार प्रभु अपने भक्त को असमंजस में डालते हैं और ऐसा करके प्रभु अपने भक्त की आस्था, विश्वास, सोच, संकल्प आदि की परीक्षा ले रहे होते हैं। सुख और दुःख एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

इतिहास झांकू - भीष्म कुकरेती

समोसे का भारत में इतिहास

मुझे नहीं पता आज देहरादून में समोसा संस्कृति कितनी ज़िंदा है पर यह पता है कि समोसा भारत में नहीं जन्मे पर हम जब भारत की कल्पना करते हैं तो हमें आज का भारत ही याद आता है। कभी भारत बहुत बड़ा क्षेत्र था। कहा जाता है कि समोसे का जन्म मिडल ईस्ट में हुआ। बात में दम है समोसे में नमक कम है व मैदा से बनता है क्योंकि अमूनन आम भारतीय आज भी मैदे से दूर रहता है केवल विशेष पकवान छोड़कर।

कहा जाता है कि ईरान में यह पकवान 9 या 10 सदी में सम्बुसक, या सम्बोसाग के नाम से जानता जाता है। ईरानी साहित्य में संबोसग, संबोसा , सम्बुसक का सबसे पहले संदर्भ 10 वीं सदी में मिलता है। ईरानी इतिहासकार की किताब 'तारीख -ए -बेयहागी ' (दसवीं सदी) में मिलता है और माना जाता है कि घुमन्तु व्यापारियों ने इस तिकोने मीठे भोज्य पदार्थ को दुनिया के अन्य कोनों में पंहुचाया। भारत में समोसा शायद 12 वीं या 13 वीं में व्यापारी या खानसामों द्वारा भारत में आये व सुल्तान के रसोई के शान बन गया। मोरोका यात्री इब्न बटाटा ने अपनी यात्रा वृत्तांत में लिखा है कि सुलतान बिन तुगलक के शाही भोजन गृह में उसे तिकोने सम्बुसक भोजन में दिए गए जिसके अंदर मस्यट, मटर पिस्ता, बादाम व अन्य स्वादिस्ट पदार्थ भरे थे। तेरवीं सदी में महान सूफ़ी विद्वान अमीर खुसरो ने लिखा है कि समोसा भद्र लोग खाते थे। मटन, मसालों व अन्य पदार्थों से समोसा बनता था।

अमीर खुसरों ने एक पहेली भी दी -

समोसा क्यों नहीं खाया ? जूता क्यों नहीं पहना ? ताला न था। (जूते के सोल ताला कहा जाता है)

अकबर के रत्न अबुल फजल ने 'आइना -ए -अकबरी में लिखा है कि बादशाह अकबर को समोसे पसंद थे। ब्रिटिश या यूरोपियन लोगों को भी समोसा गया तो उन्होंने भी समोसे को गले नहीं लगाया अपितु गले में उतार दिया।

समोसों में क्षेत्रीय भेद

स्वतंत्रता के पश्चात भारत में सर्वत्र समोसा संस्कृति प्रसार में सिंधी व पंजाबियों का योगदान है। अपनी भूमि से निर्वासियत हुए पंजाबियों ने होटल ही नहीं सड़कों में रेडिओ द्वारा भी समोसा संस्कृति का प्रसार किया।

अब तो समोसा अंतर्राष्ट्रीय ख्याति पा चुका है भारत में प्रांतीय व क्षेत्रीय स्वाद अनुसार कई प्रकार के समोसे उपलब्ध हैं।

समोसा के मुख्य प्रकार- दो तरह से वर्गीकरण हो सकता है -

१- आटे के अनुसार विभाजन जैसे मैदा के समोसे, बाजरे के समोसे, नाचनी-बेसन के समोसे, निखालिश गेंहू के आटे का समोसा आदि आदि

२- भरान द्रव्य अनुसार समोसों का विभाजन - भरान श्रव्य जैसे आलू , मटर; चीज, भिन्न भिन्न कीमा, कुछ सब्जी भी भरकर। इसी तरह मीठा समोसा जिस पर भरान में गुड़ या चीनी डाला जाता है।

समोसे का विभाजन अब कैसे पके के अनुसार भी हो रहा है। तिल में सघन पके समोसा व एयर फ्राइड समोसे।

भारत में समोसा के भरान में क्षेत्रीय भेद मिलता है जैसे - पूर्व में समोसे के अंदर आलू , हरी मिर्च, मसाले -नमक के अतिरिक्त हींग डालना सामान्य है। बंगाल में उबले आलुओं को चुरा नहीं जाता अपितु चाकू से छोटे टुकड़े किये जाते हैं व भर दिए जाते हैं। उत्तरी भारत में आलू को चुरा जाता है व तेल में सब्जी जैसा भुना जाता है तभी भरा जाता है। यह अंतर मुंबई में भी मिलता है खार बाँद्रा, साइन आदि में उत्तरी भारत तकनीक से समोसा बनता है। शेष स्थानों में कोंकणी शैली में भी पकाया जाता है जैसे नारियल चुरा भरण में प्रयोग होता है। दक्षिण में भरण में प्याज, गाजर, मसाले, पता गोभी व कड़ी पत्तों को भरा जाता है व नारियल भी।

कुछ भी है समोसा आज भारत की पहचान है।

रचनाकार- अनुजीत इकबाल, लखनऊ

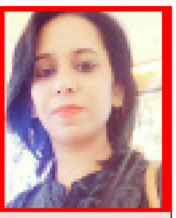

अंतिम सुख

पतझड़ की असंख्य आवृत्तियां
लेकिन बसंत का आना
जैसे अवरूद्ध है
और जीवन अरण्य
रिक्तता का पर्याय बन रहा है
मैं तुम्हारे दुर्निवार मोह में
अपने ही अक्ष पर झुकी हुई
परिक्रमण करती रहती हूं निरंतर
लेकिन कोई ऋतु नहीं बदलती
आखिर वो तुम ही हो
जिसके स्पर्श से हो सकता था
देह के शिशिर का अवसान
और प्रस्फुटित हो सकती थी
सौम्य सी कोई कोंपल
मन के अंतर्द्वंद्व
और विकल अनुबंधों से
जब मुक्त हो जाऊं
तब तुम आना
जीवन को पुनर्परिभाषित करने
किसी अंतिम सुख की तरह।।

राजीव डोगरा, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

माँ का आंचल

माँ ! ममतामय आंचल में
फिर से मुझे छुपा लो
बहुत डर लगता है मुझे
दुनिया के घने अंधकार में।
माँ ! फिर से अपने प्यार भरे
अहसासों के दीप
मुझ में आकर जला दो।
माँ ! खो न जाऊ कहीं
दुनिया की इस भीड़ में
माँ ! फिर हाथ थाम मेरा
कदम से कदम मिला
मुझे चलना सीखा दो।
माँ ! डरा सहमा सा रहता हूं
मतलबखौर लोगों की भीड़ में
माँ ! अपना ममतामय आंचल उड़ा
मुझे फिर से अपनी
प्यार भरी लोरी गा सुला दो।

नमिता गुप्ता मनसी
मेरठ , उत्तर प्रदेश

विजय

सुनों, मत करो चिंतन गहन,
बह जाने दो, कह जाने दो..
आंसुओं को,
ये ही तो रूपरेखाएं हैं,
तुम्हारी श्री विजय की !!

तम तो भ्रम है, वो भी एक क्रम है,
एक अवसर है..प्रभात किरण का,
फिर डर कैसा, ये भ्रम कैसा,
निस्वार्थ बढ़ें तो
टल सकती सभी बाधाएं हैं,
ये ही तो रूपरेखाएं हैं,
तुम्हारी श्री विजय की !!

सुनों, उठाओ तो गांडीव..
चढ़ाओ प्रत्यंचा भी ,
कि पराजय सभी तुम्हारी
बन चलेंगीं सारथी,
समय साक्षी है,
युग-युग की कथाएं भी,
जब भी उपेक्षित होता है सच
कमजोरियां ही बन जाती हैं कवच,
प्रयत्न करने से ही बदलती रेखाएं हैं,
ये ही तो रूपरेखाएं हैं,
तुम्हारी श्री विजय की !!
इसलिए कोशिश करो..
अर्जुन बनों..
हां, अर्जुन बनों .. !!

बाजार में मौजूद हैं नौ तरह की हेयर ब्रश, कौनसी रहेगी बेहतर

अगर आपको लगता है कि कंघी भले ही कोई भी हो वह सिर्फ बालों को संवारने के ही काम आती है, तो ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। अगर बालों की बनावट के अनुसार कंघी का इस्तेमाल किया जाए तो उससे बालों को संवारने के साथ-साथ कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। अगर आप अपने बालों के लिए कंघी के चयन को लेकर उलझन में हैं तो आइए हम आपको नौ तरह की कंघी और उनकी विशेषताएं बताते हैं।

पैडल हेयर ब्रश और राउंड हेयर ब्रश

पैडल हेयर ब्रश: लंबे और सीधे बालों के लिए इस कंघी का चयन करना अच्छा रहेगा। यह बालों को जल्दी सुलझाती है। घुंघराले और वेवी बाल वाले भी इस कंघी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

हालांकि, अगर आपके घने बाल हैं तो नायलॉन या सिंथेटिक ब्रिसल्स वाला ही पैडल हेयर ब्रश चुनें। राउंड हेयर ब्रश: वेवी बालों के लिए यह कंघी एकदम सही है, जो बालों में वॉल्यूम और बाउंस जोड़ता है। यह बाजार में विभिन्न आकारों में उपलब्ध है।

टीजिंग हेयर ब्रश और चौड़े दांतों वाली कंघी

टीजिंग हेयर ब्रश: यह हर तरह के बालों के लिए बेहतरीन है। इससे बालों का वॉल्यूम बढ़ा हुआ दिखता है और इसके पॉइंट-एंडेड हैंडल की मदद से बालों को अलग करने में मदद मिलती है। हालांकि, अगर आपके बाल कमजोर हैं तो इस कंघी के इस्तेमाल से बचें। चौड़े दांतों वाली कंघी: यह कंघी सभी प्रकार के बालों के लिए बेहतर है। खासकर, गीले बालों को टूटने से बचाने के लिए यह कंघी सबसे अच्छी होती है।

डिटैंगलर हेयर ब्रश और रेट-टेल हेयर ब्रश

डिटैंगलर हेयर ब्रश: यह कंघी भी सभी प्रकार के बालों के लिए बेहतरीन है। यह बालों की गांठों को आसानी से सुलझाने और उन्हें टूटने से बचाने में सहायक है। रेट-टेल हेयर ब्रश: यह कंघी बालों को अलग-अलग हिस्सों में बांटने के लिए आदर्श है। इससे बालों की स्टाइलिंग के दौरान उन्हें अलग करना काफी आसान हो जाता है। किसी भी तरह के बालों की स्टाइलिंग के लिए इस कंघी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

वेंटेड हेयर ब्रश और बोअर ब्रिसल ब्रश

वेंटेड हेयर ब्रश: अगर आपके पास बालों को ठीक से कंघी करने का समय नहीं है तो वेंटेड हेयर ब्रश आपके गीले बालों को तोड़े बिना उन्हें सुलझाता है और इन्हें सुखाने में भी सहायक है। इसका इस्तेमाल भी हर तरह के बालों पर किया जा सकता है। बोअर ब्रिसल ब्रश: यह कंघी घुंघराले और पतले बाल वाले लोगों के लिए सही है। यह बालों की लंबाई में प्राकृतिक तेलों को वितरित करके उन्हें आसानी से संवारता है।

लूप हेयर ब्रश

इस कंघी में लूप ब्रिसल्स होते हैं, जो बालों के एक्सटेंशन को बिना खींचे संवारते हैं। आपके बाल भले ही किसी भी प्रकार के हो, अगर आपने हेयर एक्सटेंशन करवा रखा है तो लूप हेयर ब्रश का इस्तेमाल करें।

शहद के इस्तेमाल से बनाए जा सकते हैं ये स्वादिष्ट व्यंजन

शहद कई औषधीय गुणों से भरपूर होता है और इसका नियमित सेवन करना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। अगर आप किसी भी व्यंजन में इसका सीमित मात्रा में इस्तेमाल करते हैं तो इससे उसका स्वाद काफी बढ़ जाता है। आइए हम आपको शहद के इस्तेमाल से बनाए जाने वाले पांच व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें आप घर पर सिर्फ 20 से 30 मिनट में तैयार कर सकते हैं।

हनी फ्रेंच टोस्ट

इसे बनाने के लिए आपको दो फेंटे हुए अंडे, एक चौथाई कप दूध, एक चौथाई कप शहद, एक चौथाई छोटी चम्मच नमक, छह-आठ ब्रेड के स्लाइस और थोड़े मक्खन की आवश्यकता होगी। सबसे पहले अंडे, दूध, शहद और नमक को डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद एक सॉस पैन में मक्खन पिघलाएं और ब्रेड स्लाइस को अंडे के मिश्रण में डुबोएं और फिर इसे दोनों तरफ से सुनहरा होने तक सेंकें और गरमागरम परोसें।

हनी चिली पोटैटो

हनी चिली पोटैटो के लिए पहले आवश्यकतानुसार आलू को धोकर छीलें, फिर इन्हें फ्रेंच फ्राइज के आकार में काटकर अरारोट से मैरीनेट करें। इसके बाद फ्रेंच फ्राइज को डीप फ्राई करके प्लेट में निकालें। अब गर्म कुकिंग ऑयल में कटी हुई शिमला मिर्च, हरी मिर्च, अदरक, टोमैटो सॉस, चिली सॉस, सोया सॉस, कुटी लाल मिर्च, थोड़ा नमक और सिरका डालकर कुछ मिनट पकाएं और फिर गैस बंद करके इसमें शहद मिलाएं। अंत में इसमें तले फ्रेंच फ्राइज मिलाकर इसे परोसें।

बेक्ड हनी चीज केक

सबसे पहले अपने ओवन को 180 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें और एक केक पैन को मक्खन से चिकना करके उसमें एक बेकिंग पेपर डालें। अब एक कटोरे में कटे हुए खजूर, ओट्स, सूरजमुखी के बीज, दालचीनी और नारियल समेत पिघला मक्खन मिलाएं। इसके बाद मिश्रण को केक पैन में डालें और बेक करें, फिर बेक केक पर क्रीम चीज, अंडे, नींबू के रस, वनिला एसेंस और शहद को फेटकर डालें और दोबारा इसे बेक करने के बाद परोसें।

स्पाइस हनी कैमोमाइल कूलर

सबसे पहले थोड़ा पानी उबाकर उसमें कैमोमाइल टी बैग्स, दालचीनी और लौंग डालकर पांच मिनट के लिए उबालें। इसके बाद पानी में से दालचीनी और लौंग को निकालकर इसमें नींबू का रस और शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण को एक घंटे के लिए फ्रिज में रख दें और फिर प्रत्येक गिलास में एक बड़ा चम्मच संतरे का रस और कुछ बर्फ के टुकड़ों समेत तैयार ड्रिंक डालकर इसे परोसें।

बनाना हनी मफिन

सबसे पहले अपने ओवन को 190 डिग्री सेल्सियस पर प्रीहीट करें। इसके बाद एक पैन में मक्खन पिघलाकर उसमें शहद और दूध डालें, फिर इसमें मैश किए हुए केले डालें। अब इसमें मैदा, बेकिंग पाउडर, थोड़ा नमक मिलाकर गैस बंद करें और मिश्रण को मफिन कप में डालकर 20 से 25 मिनट तक अच्छे से बेक करें। अंत में थोड़ा ठंडा करके मफिन को परोसें।

क्या है दूध पीने का सही समय, ताकि मिलें अधिक फायदे

भारतीय डाइट में दूध की एक खास जगह है। फिर चाहे वयस्क हों या छोटे बच्चे सभी दूध का गिलास रोज़ पीने की कोशिश करते हैं। खासतौर से बच्चों की अच्छी ग्रोथ के लिए उन्हें दूध ज़रूर पिलाया जाता है, वहीं वयस्कों को हड्डियों की मज़बूती के लिए दूध ज़रूर पीना चाहिए। दूध में कई तरह के फ्लेवर मिलाकर भी पिया जा सकता है। कई लोग इसे सुबह पीना पसंद करते हैं, तो कई इसे सोने से पहले पीते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि दूध को पीने का सही समय क्या है?

दूध पीने का बेस्ट समय क्या है?

आयुर्वेद की मुताबिक, वयस्कों के लिए दूध पीने का बेस्ट समय है रात का सोने से पहले। वहीं, बच्चों को सुबह ही दूध पी लेना चाहिए। रात में दूध पीने से ओजस को बढ़ावा मिलता है। ओजस को आयुर्वेद में एक ऐसी अवस्था के रूप में जाना जाता है, जब उचित पाचन हासिल हो जाता है। दूध पीने से अच्छी नींद लेने में मदद मिलती है। साथ ही सोते समय एक्टिविटी का स्तर भी कम होता है, इसलिए शरीर दूध से ज़्यादा से ज़्यादा कैल्शियम अवशोषित कर लेता है।

दूध पीने के फायदे क्या हैं?

दूध पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जिससे हड्डियां भी मज़बूत होती हैं। यह प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन-बी12, विटामिन-डी और फॉसफोरस का उच्च स्रोत है। रोज दूध पीने से इम्यूनिटी को बढ़ावा मिलता है, लेकिन इससे सीने में जलन भी शुरू हो सकती है।

एक दिन में कितना दूध पीना चाहिए?

आप दिनभर में आराम से 2 से 3 कप दूध पी सकते हैं, लेकिन साथ ही याद रखें कि किसी भी चीज़ की अति हानिकारक हो सकती है। अगर आप फुल-क्रीम दूध पी रहे हैं, तो एक या दो कप से ज़्यादा न पिएं, वरना यह वज़न बढ़ने का कारण बन सकता है।

दूध को कैसे स्वादिष्ट बनाया जा सकता है?

ऐसे लोग कम ही हैं, जिन्हें सादा दूध पसंद आता हो। यही वजह है कि मिल्क शेक, फ्रूट शेक काफी पॉपुलर हैं। हालांकि, आयुर्वेद की मानें तो दूध या दही में कभी भी फलों को मिलाकर नहीं पीना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि फल दूध के साथ मिलकर गैस पैदा करते हैं, इन टॉक्सिन्स से साइनस, सर्दी, खांसी और एलर्जी होती है। आप दूध में नेचुरल फ्लेवर्स, चीनी, गुड़, शहद, खजूर या फिर हल्दी मिलाकर पी सकते हैं। बच्चों के लिए दूध में चॉकलेट पाउडर मिलाया जा सकता है।

दूध पीने का सही तरीका क्या है?

आयुर्वेद में दूध के साथ फलों को मिलाकर पीने की सलाह नहीं दी जाती है। ऐसे में सवाल यह है कि फिर दूध को पीने का सही तरीका क्या है? दूध चाहे ठंडा हो या गर्म, दोनों ही तरह से शरीर को फायदा पहुंचाता है, लेकिन इस इस बात से भी फर्क पड़ता है कि आप दूध किस समय पी रहे हैं। अगर आप दूध को दिन के समय पी रहे हैं, तो ठंडा या गर्म कैसा भी पी सकते हैं। जबकि, रात में सोने से पहले पी रहे हैं, तो गुनगुना या गर्म दूध ही पिएं।

रात में ठंडा दूध पेट में दिक्कत पैदा कर सकता है, जिससे आपकी नींद खराब हो सकती है।

Saturday
27 April 2024

BNM Fantasy

राशि खन्ना ने खरीदा सपनों का आशियाना

साउथ सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक अपनी एक अलग पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस राशि खन्ना आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने हिंदी सिनेमा में मद्रास कैफे से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्हें कई फिल्मों में देखा गया, लेकिन एक्ट्रेस को पहचान शाहिद कपूर की पॉपुलर वेब सीरीज 'फर्जी' से मिली। इसके बाद वह हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ 'योद्धा' में दिखाई दी थीं। फिल्मों में बेहतरीन अभिनय दिखाने के बाद अब एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लाइमलाइट में हैं। दरअसल, राशि ने हैदराबाद में घर खरीदा है, जिसकी कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं।

भ

भोजपुरिया हॉट केक अंजना सिंह और यामिनी सिंह स्टारर फिल्म बड़े घर की बेटी की शूटिंग शुरू

B4u मोशन पिक्चर्स प्रस्तुत नीलम तिवारी फिल्म (OPC) प्राइवेट लिमिटेड के बैनर से बनने वाली भोजपुरी फिल्म "बड़े घर की बेटी" की शूटिंग शुरू हो गई है। यह एक कंटेंट प्रधान और महिला सशक्तिकरण की कहानी पर आधारित फिल्म होने वाली है, जिसमें भोजपुरिया हॉट केक अंजना सिंह और नई जनरेशन की सनसनी यामिनी सिंह मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। इस फिल्म के निर्माता संदीप सिंह, अंजनी तिवारी और नीलाभ तिवारी हैं, जबकि निर्देशक संजीव बोहरपी हैं। फिल्म को बिग स्केल पर शूट किया जा रहा है। यह फिल्म भोजपुरी सिनेमा को नई दिशा देने वाली हो सकती है। फिल्म के निर्माता ने बताया कि बड़े घर की बेटी बेहद सामाजिक और सरोकारों वाली फिल्म है। यह मनोरंजन के साथ-साथ एक सार्थक संदेश भी समाज को देगी। वहीं, फिल्म के निर्देशक संजीव बोहरपी ने बताया कि फिल्म की शूटिंग जोरों शोरों से चल रही है। इस फिल्म की कहानी दर्शकों के दिलों को छू लेगी। उन्होंने कहा कि बचपन में मुंशी प्रेमचंद की कहानी बड़े घर की बेटी पढ़ा था, फिर इस टाइटल से हिंदी सिनेमा में एक फिल्म भी बनी थी। लेकिन हमारी यह फिल्म इन दोनों से काफी अलग है और फ्रेश कहानी के साथ हम दर्शकों के सामने आएंगे। फिल्म की कास्टिंग भी कहानी के हिसाब से ही की गई है इसलिए हमें लगता है कि यह फिल्म दर्शकों के साथ-साथ क्रिटिक्स को भी पसंद आएगी। वही फिल्म को लेकर अंजना सिंह ने कहा कि कथ्य प्रधान फिल्मों में काम करने का अपना ही अंदाज होता है।

अमेरिका पहुंचते प्रिंयका चोपड़ ने शुरू की शूटिंग

हॉलीवुड फिल्म में नजर आएंगी देसी गर्ल

पिछले महीने प्रियंका चोपड़ा अपने पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी के साथ भारत में थीं। एक्ट्रेस ने मुंबई में करीब 10 से 15 दिन बताए। इस दौरान अभिनेत्री ने परिवार के साथ होली का भी जश्न मनाया और भाई सिद्धार्थ चोपड़ा के रोका सेरेमनी फंक्शन का भी हिस्सा बनीं थी। 30 मार्च को अभिनेत्री अमेरिका के लिए रवाना हो गई थी। ऐसे में अब पीसी एक बार फिर अपने काम पर लौट चुकी हैं। इसकी जानकारी खुद एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर साझा की है। प्रियंका ने अपनी आने वाली नई फिल्म की घोषणा की है, जिसे देखकर अभिनेत्री के फैंस बेहद खुश हैं।प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो शेयर कर हॉलीवुड प्रोजेक्ट की झलक दिखाई है। तस्वीर में देखा जा सकता है कि प्रियंका चोपड़ा अब 'हेड ऑफ स्टेट' शुरू करने जा रही हैं। यह हैरिसन क्वेरी द्वारा लिखा गया है। तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "और हम वापस आ गए।" प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो शेयर कर हॉलीवुड प्रोजेक्ट की झलक दिखाई है। तस्वीर में देखा जा सकता है कि प्रियंका चोपड़ा अब 'हेड ऑफ स्टेट' शुरू करने जा रही हैं। यह हैरिसन क्वेरी द्वारा लिखा गया है। तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, "और हम वापस आ गए।"प्रियंका इन दिनों बॉलीवुड और हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में भी व्यस्त हैं। हाल ही में प्राइम वीडियो के इवेंट में भी प्रियंका शामिल हुईं। कार्यक्रम में प्रियंका ने अपनी डॉक्युमेंट्री वुमन ऑफ माइ बिलियन की घोषणा की, जो देश की ऐसी महिलाओं की कहानी दिखाएगी, जिन्होंने जीवन में हिंसा का सामना किया है। अजितेश शर्मा निर्देशित डॉक्युमेंट्री प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।